सांध्य दैनिक
4PM

जब आप सांस लेते हैं, आप भगवान से शक्ति ले रहे होते हैं। जब आप सांस छोड़ते हैं तो ये उस सेवा को दर्शाता है जो आप दुनिया को दे रहे हैं।

–बी के एस आयंगर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 126 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 12 जून, 2026

बारिश बनी विलेन, अफगान ने भारत ए को चार... 7 | बिहार में आया भी शुरू हुई शौचालय... 3 | भाजपा में सबकुछ फर्जी, कार्यकर्ता... 2

4 महीने में दूसरी बार मोहन भागवत के सफर पर पत्थर!

संयोग, लापरवाही या किसी बड़े खेल की आहट?

» 8 टीमे जांच में जुटी 1 गिरफ्तार

» पूर्व में हरदोई रूट पर फेंके गये थे पत्थर, कौन है मास्टर माइंड

प्रांजुल मिश्रा/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के सबसे सुरक्षित और अतिमहत्वपूर्ण व्यक्तियों में गिने जाने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत सफर पर हों और जिस कोच में वे बैठे हों उसी कोच के शीशे पर पत्थर फेंक कर मारा जाए। सवाल उठता है कि क्या इसे महज एक सामान्य घटना माना जा सकता है। नहीं कदापि नहीं कभी नहीं क्योंकि यह पहली बार नहीं हुआ है। चार महीने के भीतर यूपी में यह उनके साथ दूसरी घटना है पहले भी उत्तर प्रदेश में हरदोई रूट पर इसी तरह की घटना सामने आई थी। अब एक बार फिर वही तस्वीर वही सवाल और वही बेचैनी सुरक्षा एजेंसियों के सामने खड़ी है।

इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड में आ चुकी है घटना की सच्चाई जानने के लिए 8 से ज्यादा पुसिल की टीमें जांच में जुटी हैं एक व्यक्ति की गिरफ्तारी की खबर भी सामने आयी है लेकिन सबसे बड़ा सवाल अब भी हवा में तैर रहा है कि आखिर बारबार ऐसा क्यों हो रहा है? क्या यह सिर्फ संयोग है कि पत्थर उसी कोच तक पहुंचे जिसमें संघ प्रमुख सफर कर रहे थे? या फिर इसके पीछे कोई ऐसा तत्व है जो सनसनी फैलाना चाहता है सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देना चाहता है या फिर पूरे सिस्टम की परीक्षा लेना चाहते है? मोहन भागवत कोई सामान्य व्यक्ति नहीं हैं। देश की राजनीति और वैचारिक परिदृश्य में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। उन्हें उच्चस्तरीय सुरक्षा प्राप्त है। ऐसे में अगर उनके सफर के दौरान दो बार इस तरह की घटनाएं होती हैं तो सवाल सिर्फ एक व्यक्ति की सुरक्षा का नहीं रह जाता। सवाल पूरे सुरक्षा ढांचे की विश्वसनीयता का बन जाता है। और यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर पहले से बहस जारी है। हत्या, लूट, गैंगवार और अपराध की घटनाओं को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर निशाना साध रहा है। ऐसे माहौल में संघ प्रमुख के सफर के दौरान दो बार पथराव जैसी घटनाएं राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर बेचैनी बढ़ाने वाली हैं।

कोच से नीचे नहीं उतरे संघ प्रमुख

सुरक्षा कारणों से मोहन भागवत को ट्रेन से नीचे नहीं उतारा गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने कोच के भीतर पहुंचकर उनका हालचाल जाना और सुरक्षा की समीक्षा की। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ट्रेन को शाम 7 :41 बजे दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आगरा जोन के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी सक्रिय हो गए। आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीमों ने मक्खनपुर–फिरोजाबाद रेलखंड के आसपास जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ भी शुरू कर दी है।

आखिर इससे किसी को हासिल क्या होगा

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर इससे किसी को हासिल क्या होगा? क्या यह सिर्फ कुछ शरारती तत्वों की हरकत है? क्या यह सुरक्षा में सेंध की कोशिश है? क्या इसका मकसद केवल सुर्खियां बटोरना है? या फिर जांच एजेंसियों को किसी बड़े एंगल की तलाश करनी चाहिए? फिलहाल इन सवालों का जवाब किसी के पास नहीं है लेकिन इतना जरूर है कि दूसरी घटना ने चिंता को कई गुना बढ़ा दिया है। यही वजह है कि अब निगाहें जांच एजेंसियों पर टिकी हैं। क्योंकि मामला सिर्फ ट्रेन के एक शीशे का नहीं है। मामला उस भरोसे का है जो देश अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर करता है। मामला उस सवाल का है जिसका जवाब हर नागरिक जानना चाहता है आखिर चार महीने में दूसरी बार ऐसा कैसे हुआ? जब तक इस रहस्य से पर्दा नहीं उठता तब तक यह घटना सिर्फ एक खबर नहीं बल्कि एक बड़ा सवाल बनी रहेगी।

दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई

शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद सैफ अब्बास ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की यात्रा के दौरान शताब्दी एक्सप्रेस पर हुए पथराव की घटना की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि ऐसी घटनाएं हमारे देश और समाज के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने वीडियो बाइट जारी करते हुए कहा है कि भारत के एक बड़े संगठन के सरसंघचालक मोहन भागवत को इस घटना का सामना करना पड़ा है और मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। मेरा मानना है कि इस मामले की जांच के लिए जल्द से जल्द एक कमेटी बनाई जानी चाहिए और दोषियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। सैयद सैफ अब्बास ने यह भी कहा कि ऐसी घटनाएं हमारे देश और समाज के लिए हानिकारक हैं।

कोच के भीतर मच गयी अफरा–तफरी

कल शाम कानपुर से दिल्ली जा रही 1203 स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस पर फिरोजाबाद जिले में घटना को अंजाम दिया गया। जिस ई-1 कोच पर पत्थर लगा उसी कोच में मोहन भागवत भी यात्रा कर रहे थे। हालांकि घटना में उन्हें या किसी अन्य यात्री को कोई चोट नहीं लगी। संघ प्रमुख मोहन भागवत कानपुर में संघ के पूर्व क्षेत्र संघचालक वीरेंद्रजीत सिंह की पौत्री एवं वरिष्ठ समाजसेविका व चार्टर्ड अकाउंटेंट नीतू सिंह की पुत्री के वैवाहिक आशीर्वाद समारोह में शामिल होने के बाद स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस से दिल्ली लौट रहे थे। वह ई-1 कोच में सीट संख्या 39 और 40 पर सवार थे। शाम करीब सवा सात बजे ट्रेन फिरोजाबाद जिले में मक्खनपुर स्टेशन पार कर टुंडला की ओर बढ़ रही थी। तभी पेमेश्वर रेलवे गेट के पास किसी अज्ञात व्यक्ति ने चलती ट्रेन पर पत्थर फेंके। पत्थर ई-1 कोच की खिड़की से टकराया जिससे बाहरी शीशा चटक गया। घटना के बाद कोच में बैठे यात्रियों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। नॉर्थ सेंट्रल रेलवे के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी के अनुसार पत्थर सीट संख्या 50 के पास लगा जबकि मोहन भागवत सीट संख्या 39 और 40 पर बैठे थे। बाहरी शीशा क्षतिग्रस्त हुआ लेकिन किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

भाजपा में सबकुछ फर्जी, कार्यकर्ता सावधान रहें

बोले सपा प्रमुख अखिलेश यादव- नकली दवाओं के बाद नकली एनकाउंटर भाजपा सरकार की देन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश भाजपा सरकार पर करारा प्रहार जारी रखा। पूर्व सीएम ने आरोप लगाते हुए कहा है कि इस सरकार में सब कुछ फर्जी ही होता है। श्री यादव ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा जो भी काम करती है सब नकली होता है। अस्पतालों में इलाज और दवाएं नकली मिलती है। नकली एनकाउंटर प्रदेश की नियति बन गई है। भाजपा अब चुनाव भी नकली तरीके से जीतने की साजिश कर सकती है। कार्यकर्ता इससे सावधान रहें।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि भाजपा के कारण यूपी अंधकार में है। भ्रष्टाचार चरम पर है। महिलाओं और बच्चियों को रोज अपमानित होना पड़ रहा है।

भाजपा ने लोकतंत्र की पवित्रता को भी नष्ट किया है। भाजपा संविधान प्रदत्त आरक्षण के भी विरुद्ध है। नौजवानों के लिए नौकरियां नहीं है। जो भी परीक्षाएं हो रही है उन्हें पेपर लीक की वजह से रद्द कर दिया जाता है।

लोगों पर लगाए जा रहे हैं फर्जी मुकदमे

कालेज-यूनिवर्सिटीज में अंधाधुंध फीस बढ़ाई जा रही है। फर्जी मुकदमों में लोगों को फंसाकर वसूली की जाती है। सपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं को सचेत किया कि सन 2007 लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। जनता का भरोसा सपा पर है। हमारी तैयारी भी पूरी है। एकजुटता से भाजपा को हराने और उसे सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने की जरूरत है।

पार्टी कार्यालय के बाहर लगाई गई होर्डिंग ने खींचा ध्यान

सपा पार्टी कार्यालय के बाहर लगाई गई होर्डिंग आजकल लोगों को अपनी ओर आकर्षि कर रही है। इसमे पार्टी के नेताओं द्वारा लगाई होर्डिंग में पिछले दिनों सपा सुप्रीमों की बेटी पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने को लेकर विपक्ष को घेरा है। इसमें लिखा गया है राजनीतिक विरोध अलग है पर परिवार पर हमला न करने की नसीहत दी गई है। बता दें इस पोस्ट के खिलाफ सपा पूरे प्रदेश में प्रदर्शन कर रही है तथा पुलिस को अराजक तत्वों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग कर रही है।

चढ़ावे में गड़बड़ी के आरोपों की उच्च-स्तरीय जांच हो : माता प्रसाद

उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे ने अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर कथित अनियमितताओं के

मामले में बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है। बलरामपुर में समाजवादी पार्टी के नेताओं के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पहले राम मंदिर और अयोध्या से जुड़ी ज़मीन की अनियमितताओं की बात हो रही थी, लेकिन अब चढ़ावे में गड़बड़ी के आरोप भी सामने आ रहे हैं।

छात्रों के ऊपर थोपी गई बढ़ी फीस और निष्कासन वापसी हो : श्यामकिशोर शुक्ला

लविवि पहुंचा प्रतिनिधिमंडल कांग्रेस पार्टी करेगी आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का एक प्रतिनिधिमंडल लखनऊ विश्वविद्यालय पहुंचा और वहां पहुंचकर बढ़ी हुई फीस को वापस लेने के लिए किये गये छात्रों के प्रदर्शन के कारण तीन छात्रों का निष्कासन किए जाने के विरोध में विगत 10 दिनों से चल रहे छात्रों के अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे छात्रों से वार्ता की और अपना पूरा समर्थन दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति के मौजूद न होने के कारण लखनऊ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार से मुलाकात की और छात्रों के विरूद्ध हुई निष्कासन की कार्रवाई को वापस लेने व परीक्षा देने की अनुमति प्रदान किये जाने की मांग की। साथ ही बढ़ी हुई फीस को भी तत्काल वापस लेने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल ने रजिस्ट्रार महोदया से तत्काल उपरोक्त विषयों पर कार्रवाई की मांग की और मांग पूरी न होने पर कांग्रेस पार्टी के द्वारा छात्रों के हितों में आंदोलन को लेकर अपनी बात कही।

धरने पर पूर्व विधायक श्यामकिशोर शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार में आम नौजवान लखनऊ विश्वविद्यालय जैसी सरकारी संस्थाओं में महंगी फीस की वजह से अध्ययन नहीं कर पा रहा है, विश्वविद्यालय फीस बढ़ाता चला जा रहा है ऐसे में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के माध्यमवर्गीय परिवारों का छात्र कैसे शिक्षा ग्रहण कर पाएगा, ये बड़ा सवाल है और योगी आदित्यनाथ सरकार इस पर बिल्कुल ध्यान न देकर अपनी नौजवान विरोधी सोच दर्शा रही है। अनिश्चितकालीन धरने को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता और प्रवक्ता तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रनेता अंशू अवस्थी ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय में आम आदमी का बेटा पढ़ाई नही कर सकता यहां फीस वृद्धि कई गुना कर दी गई है, यदि छात्र फीस के मुद्दों को उठाते हैं तो उनका निष्कासन कर दिया जा रहा है, आज हमने विश्विद्यालय प्रशासन से बात की है और मांग रखी है कि छात्रों के निष्कासन को तत्काल वापस लिया जाए और बढ़ी फीस कम की जाय, विश्विद्यालय प्रशासन का यह तानाशाही रवैया परिसर में शैक्षणिक माहौल को समाप्त कर रहा है। पहले भी छात्रहितों पर आंदोलन होते थे और विश्विद्यालय प्रशासन आकर बात सुनता था लेकिन भाजपा सरकार में आवाज उठाने को द्रोह मान लिया गया है, विश्विद्यालय प्रशासन दमनकारी नीति अपना रहा है। धरने को मनोज तिवारी, संजय सिंह, अब्दुल्ला आजम, आर्यन मिश्रा ने भी संबोधित किया और छात्रों के निष्कासन को रद्द करने व तत्काल निष्कासित छात्रों को परीक्षा दिये जाने की अनुमति के साथ ही बढ़ी हुई फीस को वापस लेने की मांग की।

कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल में पूर्व विधायक श्यामकिशोर शुक्ला, सुरेंद्र यादव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता-प्रवक्ता अंशू अवस्थी, अमित राय, संजय सिंह, बृज मौर्या,कुलदीप दिवाकर, अंकित तिवारी, श्रवण गुप्ता, अब्दुल्ला आजम, मनोज तिवारी, आर्यन मिश्रा, राकेश पाण्डेय, शमी खान सहित अन्य नेता शामिल रहे।

एसआईआर से बीजेपी को बड़ा नुकसान : पल्लवी पटेल

बीजेपी कोई भी ढोल बजा ले 27 विस चुनाव में कोई लाभ नहीं मिलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 27 से पहल सिराथू विधानसभा से विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उनका कहना है कि बीजेपी ने सत्ता में बने रहने के लिए एसआईआर का सहारा लिया था, लेकिन इससे बीजेपी को ही बड़ा नुकसान हुआ है। पल्लवी पटेल का कहना है, उनका मकसद था कि एसआईआर के माध्यम से सत्ता में बने रहेंगे के लेकिन यह दांव यूपी में उल्टा पड़ गया।

सिराथू विधायक पल्लवी पटेल ने 27 के चुनाव को लेकर कहा, यूपी से सीधा रास्ता दिल्ली का खुलता है। अन्य राज्यों में चुनाव जीतने की बीजेपी की जो भी नीति और प्रणाली रही हो, लेकिन उत्तर प्रदेश में 22 में बीजेपी को बड़ी विफलता देखने को मिली। बीजेपी कोई भी ढोल बजा ले लेकिन उन्हें उत्तर प्रदेश में कोई लाभ नहीं मिलेगा, यहां एक बड़ा बदलाव आएगा।

पल्लवी पटेल ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए यह दावा किया है कि बीजेपी सत्ता में बने रहने के अपने मंसूबों को पूरा करने के लिए SIR को हथियार बना रही थी। इसके लिए इलेक्शन कमीशन को बैठा दिया गया, लेकिन यूपी में बीजेपी विफल होगी। वोटरों की कमी आई है। एसआईआर से विपक्ष से ज्यादा बीजेपी को नुकसान होता दिखाई दे रहा है।

गठबंधन का निर्णय राष्ट्रीय नेतृत्व लेगा

यूपी चुनाव 27 में अपना दल (क) गठबंधन में लड़ेगी या अकेले? इस सवाल के जवाब में पल्लवी पटेल ने कहा कि इसका निर्णय राष्ट्रीय नेतृत्व लेगा। वह एक कार्यकर्ता के रूप में जनता के बीच में कार्य कर रही हैं।

अखिलेश यादव की बेटी पर अभद्र टिप्पणी, पल्लवी नाराज

दरअसल, यूपी के फतेहपुर जिले के हुसैनगंज विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मोहम्मदपुर गौती में पल्लवी पटेल पहुंची थीं। यहां उन्होंने अखिलेश यादव की बेटी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वालों को जमकर सुनाया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की ओछी मानसिकता है. जहां बेटियों को पूजा जाता है, वहां ऐसी टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनता तक पहुंच चुका पेपर लीक मुद्दा : संजय सिंह

छात्र नेताओं को जमानत मिलने आप सांसद ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा छात्र नेता आशुतोष पांडेय और पंकज पांडेय को जमानत दिए जाने के बाद प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पेपर लीक, भर्ती घोटालों और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ के खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्र नेताओं को सत्ता के दबाव में झूठे मामलों में फंसाकर जेल भेजा गया, लेकिन अब अदालत के फैसले ने सरकार और उसके अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

संजय सिंह ने कहा कि न्यायालय की टिप्पणी और जमानत आदेश इस बात का प्रमाण है कि युवाओं की आवाज को प्रशासनिक दमन से हमेशा के लिए दबाया नहीं जा सकता। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि छात्र नेता आशुतोष पांडेय और पंकज पांडेय को सत्ता के इशारे पर जबरन जेल में रखा गया और युवाओं के आंदोलन को कुचलने की कोशिश की गई, लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले ने सरकार की कार्रवाई की वास्तविकता उजागर कर दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लगातार पेपर लीक की घटनाएं हुईं। पुलिस भर्ती, शिक्षक भर्ती, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य चयन प्रक्रियाओं को लेकर लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। जब छात्र और युवा सड़कों पर उतरकर अपने अधिकारों की मांग करने लगे तो सरकार ने समस्याओं का समाधान करने के बजाय आंदोलन करने वालों पर मुकदमे दर्ज कराए, गिरफ्तारियां कराईं और दमन का रास्ता अपनाया।

फिर चर्चा में आई शहर की सरकार

ईमानदार अफसर बनाम भ्रष्ट लेखपाल पर वार-पलटवार

» नगर निगम की कार्यशैली पर उठे सवाल

» भाजपा पार्षद के आरोपों से गरमाई सियासत

मो.शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ की सरकार यानी नगर निगम आज सुर्खियां बटोरने में पीछे नही रह रहा है। कभी सफाई को लेकर बवाल कटता है तो कभी सरकार की मुखिया मेयर को हाईकोर्ट से डांट पड़ती है तो कभी अधिकारियों की नूराकुश्ती भी खबरों में छाई रहती है। वर्तमान में ईमानदार अफसर व भ्रष्ट लेखपाल की चर्चे नगर निगम की गलियारों में बहस का विषय बना हुआ है।

नगर निगम की जमीनों को भूमाफियाओं से मुक्त कराने को लेकर अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव की कार्यशैली की सराहना हो रही है। लगातार अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई कर सरकारी भूमि को मुक्त कराने की कवायद जारी है। लेकिन इसी बीच इब्राहिमपुर प्रथम वार्ड संख्या-4 के पार्षद बृजमोहन शर्मा द्वारा लगाए गए आरोपों ने नगर निगम प्रशासन और राजस्व तंत्र पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भाजपा के पार्षद द्वारा लगातार शिकायत किए जाने के बावजूद यदि कार्रवाई नहीं होती है, तो यह मामला केवल एक लेखपाल तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि सरकारी तंत्र की जवाबदेही और पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि नगर निगम प्रशासन और संबंधित अधिकारी इन आरोपों की जांच कर क्या कार्रवाई करते हैं।

पार्षद के आरोप के निशाने पर लेखपाल

पार्षद का आरोप है कि लेखपाल अजीत तिवारी भूमाफियाओं के साथ मिलकर सरकारी भूमि पर कब्जा कराने में भूमिका निभा रहे हैं। उनका कहना है कि खसरा संख्या-433, जो नगर निगम में निहित सरकारी भूमि है, उसमें कथित रूप से हेराफेरी कर कब्जा दिलाने का प्रयास किया गया। इतना ही नहीं, नगर निगम की जमीन पर लगे बोर्ड तक को हटवा दिया गया, जिससे भूमाफियाओं को फायदा पहुंच सके।

शिकायत के बाद नहीं हुई कार्रवाई : बृजमोहन शर्मा

पार्षद बृजमोहन शर्मा का दावा है कि उन्होंने इस पूरे मामले की शिकायत कई बार अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव से की, लेकिन अभी तक संबंधित लेखपाल के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यही वजह है कि नगर निगम और स्थानीय राजनीति में यह चर्चा का विषय बन गया है कि जहां एक ओर अपर नगर आयुक्त की ईमानदार छवि है, वहीं दूसरी ओर भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे लेखपाल पर कार्रवाई क्यों नहीं हो पा रही है।

इससे पहले भी लेखपाल पर लगे आरोप

गौरतलब है कि इससे पहले भी लेखपाल अजीत तिवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार और भूमाफियाओं से सांठगांठ के आरोप सामने आए थे। उस समय 4PM में मामला प्रमुखता से उठने के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ था और नगर निगम की भूमि को कब्जामुक्त कराया गया था। इसके बावजूद आरोपों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आखिर लेखपाल अजीत तिवारी को किसका संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते लगातार शिकायतों और गंभीर आरोपों के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है? जब प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भूमाफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति की बात करते हैं, तब सरकारी भूमि पर कब्जा कराने के आरोप प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हैं।

बिहार में भी शुरू हुई शौचालय पर सियासत

नीतीश सरकार के लिए 7 लाख 41 हजार का शौचालय

» राजद ने उठाया सम्राट सरकार पर सवाल

» तेजस्वी ने ढूंढा रेड कारपेट वाला टॉयलेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भारत की सियासी जगत में शौचालय की चर्चा न हो ऐसा नहीं हो सकता है। कभी दिल्ली चुनाव में आप के सीएम केजरीवाल की सोने की सीट को लेकर हंगामा मचता है तो कभी मोदी सरकार के स्वच्छता अभियान में बन रहे शौचालयों के बदहाली व उनके बनने में हुए भ्रष्टाचार पर बहस होती रहती है।

ताजे मामले में बिहार में पूर्व सीएम नीतीश कुमार का वीआईपी शौचाचय से राज्य के सियासत में बवंडर मचा दिया। ये शौचालय ढूंढ के लाए हैं राजद नेता तेजस्वी यादव। बिहार के अररिया में मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान मात्र कुछ समय के उपयोग के लिए बनाए गए एक अस्थाई वीवीआईपी शौचालय पर लाखों रुपये खर्च करने का मामला सामने आया है। आरटीआई के खुलासे के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकारी खजाने की इस फिजूलखर्ची पर नीतीश कुमार को घेरा है। बिहार जैसे सीमित संसाधनों वाले राज्य में वीआईपी कल्चर और सरकारी धन के कथित दुरुपयोग का एक बड़ा मामला गरमा गया है। अररिया जिले के रानीगंज में 22 जनवरी 25 को मुख्यमंत्री (नीतीश कुमार) की प्रगति यात्रा आयोजित हुई थी। इस दौरान मुख्यमंत्री और अतिविशिष्ट मेहमानों के लिए महज कुछ देर के उपयोग हेतु एक अस्थाई वीवीआईपी टॉयलेट और यूरिनल का निर्माण कराया गया था। आरटीआई और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के आधिकारिक दस्तावेजों से इस अस्थाई निर्माण पर लाखों रुपये फूंकने का खुलासा हुआ है, जिसके बाद अब प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में तीखी बहस छिड़ गई है।

रेड कारपेट टॉयलेट पर राजद का निशाना

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, बिहार में चंद मिनटों के उपयोग के लिए बना रेड कार्पेट वाला सबसे VVIP शौचालय! चंद माह पूर्व प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के एक घंटे के कार्यक्रम में चंद सेकंड के उपयोग के लिए 7.41 लाख की लागत से एक अस्थायी VVIP टॉयलेट का निर्माण कराया गया। RTI से खुलासा हुआ है कि गरीब राज्य के सबसे वंचित और पिछड़े जिले अररिया के रानीगंज में मुख्यमंत्री ने यह कारनामा कराया। सर्वविदित है कि आम आदमी को शौचालय निर्माण के लिए 12000 की सरकारी राशि तय है जिसमें 20 फीसदी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता है। 7.41 लाख में गरीबों के लिए 37 स्थायी शौचालयों का निर्माण कराया जा सकता था।

आरटीआई में खुलसा : स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग का कारनामा

तेजस्वी यादव के मुताबिक इस पूरे वीआईपी खर्च का सच आरटीआई के माध्यम से सामने आया है। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के अभियंता प्रमुख नित्यानंद प्रसाद ने 2 जून को महालेखाकार को एक आधिकारिक पत्र भेजा था। इस पत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, अररिया में वीआईपी टॉयलेट निर्माण पर खर्च हुई राशि की निकासी और आवंटन की विस्तृत जानकारी दी गई है। सरकारी दस्तावेज के सामने आते ही विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

सरकारी खजाने से स्वीकृत हुई भारी-भरकम राशि

विभागीय पत्रों और आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, रानीगंज प्रखंड में हुए इस वीआईपी कार्य के लिए बकायदा बजट आवंटित किया गया था। 22 जनवरी 2025 को आयोजित कार्यक्रम के लिए विभाग की ओर से कुल की राशि स्वीकृत की गई है। इस स्वीकृत राशि की निकासी और व्ययन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल अररिया बनाए गए हैं। ये पूरी भारी-भरकम राशि अररिया जिला कोषागार से निकाली जाएगी, जो कि जनता के टैक्स का पैसा है। वीआईपी के लिए बना ये टॉयलेट और मूत्रालय पूरी तरह अस्थाई था, जिसे मुख्यमंत्री का कार्यक्रम खत्म होने के ठीक बाद वहां से हटा दिया गया।

आम जनता के पैसे की फिजूलखर्ची पर सवाल

तेजस्वी यादव ने सरकार के इस कदम की तुलना आम जनता को मिलने वाली सुविधाओं से की है। उन्होंने कहा कि जहां आम आदमी को स्थायी शौचालय निर्माण के लिए मात्र 12,000 रुपये की सरकारी राशि तय है (जिसमें भी 20 फीसदी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है), वहीं सरकार ने एक अस्थाई टॉयलेट पर लाखों खर्च कर दिए। नेता प्रतिपक्ष के मुताबिक, जितने रुपयों में मुख्यमंत्री के लिए एक दिन का अस्थाई वीवीआईपी शौचालय बना, उतने पैसों में राज्य के गरीब परिवारों के लिए 37 स्थायी शौचालयों का निर्माण आसानी से कराया जा सकता था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आंदोलन विरोध नहीं सरकार को आईना भी दिखाते हैं

> शिक्षा, रोजगार और युवाओं की आकांक्षाएं फिर से राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आने लगी हैं। यदि यह असंतोष व्यापक सामाजिक समर्थन प्राप्त करता है, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा नीति तक सीमित नहीं रहेगा; बल्कि यह भविष्य की चुनावी राजनीति और राजनीतिक नेतृत्व की प्राथमिकताओं को भी प्रभावित कर सकता है।

6 मई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच पार्टी ने धरना प्रदर्शन किया। हालांकि जिस तरह से इसके बनने के बाद कुछ दिनों में करोड़ों फॉलोअर्स बन गये थे उसकी अपेक्षा में वहां पर भीड़ की संख्या हजारों में ही थी। पर यहां संख्या मायने नही रखता इस युवाओं के मकसद को समझने के जरूरत है। वे युवा सरकार के परीक्षा प्रणाली से खफा हैं और उसमें पादर्शिता चाहते हैं। सरकार को भी उनकी बात का ध्यान रखना चाहिए अन्यथा ये आंदोलन जो अभी छोटी दिख रही है वो कब सत्ता को बदल दें समझ में नहीं आएगा। बहरहाल, इस प्रदर्शन का सबसे बड़ा सियासी संदेश यह है कि शिक्षा, रोजगार और युवाओं की आकांक्षाएं फिर से राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आने लगी हैं। यदि यह असंतोष व्यापक सामाजिक समर्थन प्राप्त करता है, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा नीति तक सीमित नहीं रहेगा; बल्कि यह भविष्य की चुनावी राजनीति और राजनीतिक नेतृत्व की प्राथमिकताओं को भी प्रभावित कर सकता है।

यह युवा आंदोलन, जन-असंतोष की अभिव्यक्ति है, जो प्रदर्शन के माध्यम से महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार या प्रशासनिक विफलताओं जैसे मुद्दों पर मुखर है। यह व्यापक जन-असंतोष का प्रतीकात्मक रूप माना जा रहा है। इसलिए लोकतांत्रिक स्पेस का उपयोग रणनीति के तौर पर किया जा रहा है, क्योंकि जंतर-मंतर लंबे समय से विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक समूहों के विरोध-प्रदर्शनों का केंद्र रहा है। वहां प्रदर्शन करना इस बात का संकेत है कि संगठन लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी बात रखना चाहता है। इसी आंदोलन के बहाने अब युवा भी चुनावी राजनीति में प्रवेश की तैयारी कर रहे हों, ताकि सिस्टम के भीतर प्रवेश करके उसे बदला जाए। लिहाजा कई छोटे संगठन पहले आंदोलन और प्रदर्शन के माध्यम से पहचान बनाते हैं, फिर राजनीतिक विस्तार या चुनावी भागीदारी की ओर बढ़ते हैं। तभी तो वहां मौजूद टीन एजर्स बताते हैं कि कॉकरोच जनता पार्टी अभी एक उभरता हुआ, मुख्यत: युवा-आधारित आंदोलन है। इस युवा आंदोलन अभी तक औपचारिक रूप से किसी बड़े विपक्षी राष्ट्रीय राजनीतिक दल का समर्थन नहीं मिला है, लेकिन कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्र समूहों और जन-आंदोलन से जुड़े व्यक्तियों का समर्थन जरूर मिला है। इससे आंदोलन कारियों को बल मिला है। यदि छात्र संगठनों, अभिभावक समूहों और रोजगार से जुड़े आंदोलनों का व्यापक समर्थन मिला, तो यह राष्ट्रीय युवा आंदोलन का रूप ले सकता है। आंदोलन आईना भी दिखाते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीतिक रुझान में दिखे बदलाव के संकेत

के.एस. तोमर

हिमाचल प्रदेश में हाल ही में संपन्न नगर निगम और जिला परिषद चुनावों ने राज्य की राजनीति को नई दिशा दे दी है। इन चुनाव परिणामों की शुरुआत में केवल स्थानीय निकायों तक सीमित माना जा रहा था। लेकिन परिणाम आने के बाद जाहिर हुआ कि जनता ने इन्हें सरकार के कार्य प्रदर्शन और राजनीतिक नेतृत्व की परीक्षा के रूप में देखा। भारतीय जनता पार्टी की निर्णायक बढ़त ने सत्तासीन कांग्रेस सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के समक्ष राजनीतिक चुनौतियां समय से पहले गहराती दिखाई देने लगी हैं। राज्य कांग्रेस सरकार का कार्यकाल अभी बाकी है लेकिन चुनावी परिणामों ने संकेत दिया कि जनता के एक वर्ग में धीरे-धीरे असंतोष पैदा हो रहा है।

भाजपा ने इन नतीजों को सरकार के खिलाफ उभरते जनमत के रूप में पेश किया। यह संदेश देने की कोशिश की कि राज्य की राजनीतिक हवा बदलनी शुरू हो गई है। जिला परिषद चुनावों के परिणाम भाजपा के लिए सबसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धि बनकर उभरे। कुल 253 सीटों में से 143 सीटों पर जीत दर्ज कर पार्टी ने स्पष्ट बढ़त हासिल की, जबकि कांग्रेस 59 सीटों तक सीमित रह गई। यह अंतर केवल चुनावी आंकड़ा नहीं, बल्कि ग्रामीण राजनीति में बदलते समीकरणों का संकेत माना जा रहा है। भाजपा अब दावा करने लगी है कि सरकार के खिलाफ नाराजगी शहरी इलाकों तक सीमित नहीं रही, बल्कि गांवों तक फैल रही है। बिलासपुर में भाजपा का प्रदर्शन कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा के गृह जिले में पार्टी ने जिला परिषद की सभी सीटें जीतकर कांग्रेस का सफाया कर दिया। इस जीत ने नड्डा के प्रभाव को फिर दर्शाया है। राज्य में अब भविष्य की राजनीति को लेकर नई चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं। हमीरपुर के परिणामों ने भी कांग्रेस की चिंताएं बढ़ा दी हैं। मुख्यमंत्री के गृह जिले में भाजपा ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस को करीब हाशिये पर पहुंचा दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर यहां सक्रिय रहे जो भाजपा का माहौल बनाने में मददगार रहा।

सत्ता में होने के बावजूद कांग्रेस संगठन जमीनी स्तर पर अपेक्षित मजबूती नहीं दिखा सका। साल 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने आक्रामक चुनावी अभियान के दौरान कई बड़ी गारंटियां दी थीं। महिलाओं, युवाओं, कर्मचारियों और आर्थिक रूप

से कमजोर वर्गों को लेकर किए गए वादों ने कांग्रेस को सत्ता तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन अब विपक्ष इन्हीं गारंटियों को सरकार की बड़ी राजनीतिक कमजोरी में बदलने की कोशिश कर रहा है। भाजपा ने पूरे चुनाव प्रचार में यह नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किया कि कांग्रेस अपने अधिकांश वादे पूरा करने में विफल रही। स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ बेरोजगारी, प्रशासनिक सुस्ती और विकास कार्यों में देरी जैसे विषयों को विपक्ष ने प्रभावी ढंग से उठाया। कांग्रेस सरकार अपनी योजनाओं और फैसलों का राजनीतिक लाभ जनता तक पहुंचाने में कमजोर दिखाई दी। कल्याणकारी कदमों की घोषणा जरूर हुई, लेकिन राजनीतिक संवाद की कमी के कारण उनका प्रभाव अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंचा। यही वजह रही कि भाजपा जनता में यह धारणा बनाने में सफल होती दिखी कि सरकार और लोगों के बीच दूरी बढ़ रही है। साल 2022 विधानसभा चुनाव में हार के बाद भाजपा संगठन में निराशा का माहौल था, लेकिन स्थानीय निकाय चुनावों ने पार्टी को नई ऊर्जा दे दी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने चुनावी रणनीति को स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित रखा। भाजपा ने राष्ट्रीय राजनीति के बजाय प्रशासनिक कमजोरी, अधूरी घोषणाओं और जन असंतोष को हथियार बनाया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बूथ स्तर के नेटवर्क ने भी भाजपा की चुनावी तैयारी को मजबूती दी। पार्टी अब यह मानने लगी है कि यदि यही राजनीतिक माहौल बना रहा तो सत्ता विरोधी भावना 2027 से पहले ही अधिक तीव्र हो सकती है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को भाजपा अभी भी राज्य में सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी मान रही है।

मुख्यमंत्री सुक्खू के लिए यह स्थिति केवल राजनीतिक चुनौती नहीं, बल्कि प्रशासनिक परीक्षा भी बनती जा रही है। यदि कांग्रेस इन नतीजों को केवल स्थानीय चुनावों तक सीमित मानकर नजरअंदाज करती है, तो सरकार और जनता के बीच अविश्वास की खाई और गहरी हो सकती है। कांग्रेस नेतृत्व को अब तेजी से संगठनात्मक तालमेल मजबूत करना होगा। साथ ही चुनावी गारंटियों के क्रियान्वयन, युवाओं के बीच भरोसा बहाल करने और मध्य वर्ग की नाराजगी कम करने की दिशा में प्रभावी राजनीतिक संदेश देना होगा।

महिलाओं को ज्यादा झुलसाती है गर्मी की तपिश

मुकुल व्यास

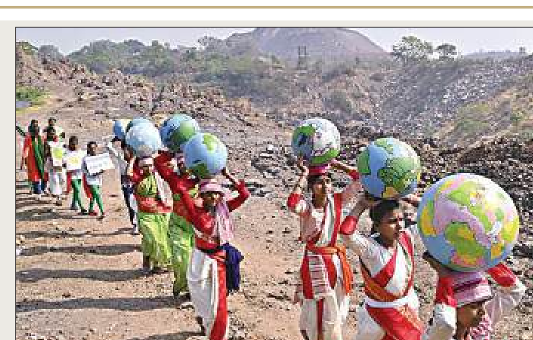

भीषण गर्मी आज एक बहुत बड़ी स्वास्थ्य समस्या है। दुनियाभर में हर साल लगभग 490,000 लोग गर्मी से अपनी जान गंवा देते हैं। लेकिन ये आंकड़े महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी पर गर्मी के खतरनाक असर को नहीं दर्शाते। एक नए अध्ययन ने एशिया, अफ्रीका और ओशिनिया के उदाहरणों के हवाले से बताया है कि महिलाओं को गर्मी के हालात में सबसे ज्यादा एडजस्ट करने के लिए मजबूर किया जाता है, लेकिन जलवायु संबंधी नीतियों में उन्हें सबसे ज्यादा नजरअंदाज किया जाता है। एशिया, अफ्रीका और ओशिनिया के कई हिस्सों में महिलाएं घर की मुख्य देखभाल करने वाली होती हैं। वे अक्सर पुरुषों के मुकाबले घर के अंदर ज्यादा समय बिताती हैं। उन्हें कम हवादार घरों में बिना इंसुलेशन या कूलिंग के रहना पड़ता है, जिससे उन्हें शारीरिक और मानसिक तनाव होता है।

इससे पता चलता है कि बहुत ज्यादा गर्मी महिलाओं की सेहत को कैसे नुकसान पहुंचाती है। काम की जगहों पर लिंग के आधार पर भेदभाव भी गर्मी के संपर्क को प्रभावित करता है। एक रिसर्च से पता चलता है कि अनौपचारिक काम की जगहों पर साफ-सफाई की कमी महिलाओं को बहुत ज्यादा गर्मी के दौरान खास तौर पर परेशान करती है। कुछ महिलाएं गंदे टॉयलेट इस्तेमाल करने से बचने के लिए कम पानी पीती हैं, जिससे उनमें डिहाइड्रेशन और सेहत से जुड़ी और दूसरी समस्याएं उत्पन हो जाती हैं। ये छोटी-मोटी परेशानियां नहीं हैं। ये सब मिलकर महिलाओं के गर्मी के संपर्क में निरंतर इजाफा करती हैं। बहुत ज्यादा गर्मी महिलाओं की सामाजिक दुनिया को बदल देती है। हीटवेव के दौरान कई उष्णकटिबंधीय जगहों पर औरतें घर के अंदर रहती हैं, जिससे उनके सामाजिक संपर्क कम हो जाते हैं। बांग्लादेश, कंबोडिया और नेपाल में तेज गर्मी को बाल विवाह में बढ़ोतरी से जोड़ा गया है, क्योंकि मुश्किल में फंसे परिवार पैसे का तनाव कम करने और घर का खर्च कम करने के लिए अपनी बेटियों को शादी के लिए मजबूर करते हैं।

एक अन्य अध्ययन के अनुसार दुनिया के कई हिस्सों में परिवार ऐसे घरों में रहते हैं जो गर्मी को अंदर रोककर रखते हैं, जहां बिजली की भरोसेमंद सुविधा नहीं है और साफ पानी की उपलब्धता सीमित है। बहुत से लोग आज भी चिलचिलाती धूप में बाहर काम करते हैं। जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान बढ़ रहा है, इस तरह के हालात सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर संकट पैदा कर रहे हैं। 'नेचर सस्टेनेबिलिटी' में छपी एक नई स्टडी में बताया गया है कि दुनिया में अरबों लोग 'कूलिंग पॉवर्टी' (ठंडक की कमी) का सामना कर रहे हैं। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि दो अरब से ज्यादा लोग ऐसी स्थिति में रहते हैं जिसे वे कूलिंग पॉवर्टी कहते हैं। यानी वे खतरनाक गर्मी का सामना करते हैं और उनके पास ठंडक पाने के सुरक्षित या सस्ते तरीके नहीं होते। ये नतीजे ऐसे समय में आए हैं जब दक्षिण एशिया के कुछ हिस्सों में इन गर्मियों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। इतनी ज्यादा गर्मी ये जरूरी सवाल खड़े करती है कि सबसे ज्यादा खतरे में कौन है और उनकी सुरक्षा के लिए क्या किया जा सकता है।

आमतौर पर लोग मान लेते हैं कि इन लोगों को बस एक एयर कंडीशनर की जरूरत है। शोधकर्ता इस सोच को बदलना चाहते हैं। यूरो-मेडिटेरेनियन सेंटर ऑन क्लाइमेट चेंज के वैज्ञानिक जियाकोमो फाल्चेटा ने कहा, कूलिंग पॉवर्टी का मतलब ऐसे हालात से है जहां लोगों को ताप सुरक्षा नहीं मिल पाती और इसकी वजह सिर्फ यह नहीं है कि उनके पास एयर कंडीशनर नहीं है। वैसे भी, एयर कंडीशनर बांटने से कोई लाभ नहीं होगा। वे बहुत ज्यादा बिजली की खपत करते हैं और कमजोर पावर ग्रिड पर बोझ डालते हैं। हम इस संकट से निपटने के लिए सिर्फ एयर कंडीशनर का सहारा नहीं ले सकते। गरीबी गर्मी के असर को और बढ़ा देती है। स्टडी से पता चलता है कि गर्मी गरीबी, खराब घरों और कमजोर सार्वजनिक सेवाओं के साथ मिलकर नुकसान पहुंचाती है। पहला खतरा तो घर ही है। कमजोर बनावट वाला घर आपको गर्मी से नहीं बचाता; बल्कि वह गर्मी को अंदर ही रोककर रखता है। शहरों में रहने वाले लाखों गरीब लोग टिन या एस्बेस्टस की छतों के नीचे रहते हैं, जिससे घर के अंदर का तापमान बाहर की हवा के मुकाबले पांच डिग्री तक ज्यादा हो सकता है।

जब बिजली बार-बार जाती है और पानी सुरक्षित नहीं होता, तो पर्याप्त पानी पीना और शरीर को ठंडा रखना भी मुश्किल हो जाता है। दूसरा खतरा सेहत से जुड़ा है। जब भीषण गर्मी शरीर की सहनशक्ति से बाहर हो जाती है,तो जान बचाने के लिए अक्सर तुरंत मदद की जरूरत होती है। जिन देशों में क्लिनिक कम हैं या दूर हैं, वहां गर्मी से होने वाली बीमारी जानलेवा साबित हो सकती है। तीसरा खतरा काम से जुड़ा है। किसान, निर्माण कार्य करने वाले और सड़क किनारे सामान बेचने वाले लोग घंटों तक खुली धूप में काम करते हैं और वे किसी ठंडे कमरे में नहीं जा सकते। उनके शरीर को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है,क्योंकि यह गर्मी ज्यादातर नमी वाली होती है, जिससे पसीना त्वचा को ठंडा नहीं कर पाता। इन मुश्किलों का असर सब पर एक जैसा नहीं होता। महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और सबसे गरीब परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। अक्सर यही लोग खराब घरों में रहते हैं। उन्हें स्वास्थ्य सेवा और जानकारी नहीं मिल पाती, और खुद को बचाने के लिए उनके पास कोई अतिरिक्त साधन नहीं होता।

सर की खुजली दूर करने के लिए करें ये उपाय

टी ट्री ऑयल

बाजार में आपको टी ट्री ऑयल आसानी से मिल जाएगा। इसमें पाए जाने वाले एंटीफंगल और एंटीसेप्टिक गुण सिर की खुजली को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसका इस्तेमाल शैंपू में मिला कर करें। ये सिर की खुजली से राहत दिलाएगा।

नीम का तेल

नीम के बारे में तो हर कोई ही जानता है कि इसमें कई ऐसे एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जोकि कई परेशानियों से राहत दिलाते हैं। ऐसे में आप भी इस तेल हल्का गर्म करके स्कैल्प पर मालिश करें और कुछ समय के लिए छोड़ दें। थोड़ी देर बार सिर को सादे पानी से धो लें।

सिरका

खाने में इस्तेमाल किया जाने वाला सेब का सिरका फंगस को खत्म करने में मदद करता है। इसका इस्तेमाल आप पानी में मिलाकर कर सकते हैं। पानी में सिरका डालकर फिर इसे रुई की मदद से स्कैल्प पर लगाएं। इससे फंगस और बैक्टीरिया को मारने में मदद मिलती है और खुजली कम होती है।

नारियल तेल

सिर की खुजली दूर करने में नारियल का तेल सबसे ज्यादा मदद करता है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस नियमित रूप से तेल से सिर की मालिश करनी है। इससे भी सिर की खुजली काफी कम हो जाएगी।

बेकिंग सोडा

आपकी रसोई में आपको बेकिंग सोडा आसानी से मिल जाएगा। इसका इस्तेमाल काफी आसान है। इसे स्कैल्प पर लगाने के लिए बस बेकिंग सोडा को पानी में मिलाकर पेस्ट बनाएं और स्कैल्प पर लगाएं। कुछ समय के लिए छोड़ दें और फिर धो लें। यह डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करता है, जिससे खुजली भी अपने आप कम हो जाती है। यह घर में आसानी से मिलने वाली चीज है।

एलोवेरा

हर घर में आपको आसानी से एलोवेरा मिल जाएगा। एलोवेरा खुजली की समस्या को चुटकियों में हल कर सकता है। दरअसल एलोवेरा को विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन बी और फॉलिक एसिड का अच्छा सोर्स माना जाता है।इसका इस्तेमाल भी काफी आसान होता है। इसके इस्तेमाल के लिए एलोवेरा जेल को सिर पर लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें और फिर हल्के शैंपू से धो लें। यह स्कैल्प को ठंडक पहुंचाता है और खुजली को कम करता है।

बारिश का मौसम गर्मी से राहत तो दिलाता है, लेकिन वो अपने साथ तमाम तरह की परेशानियां भी लेकर आता है। अगर इस मौसम में स्वास्थ्य का ध्यान सही से न रखा जाए तो कई परेशानियां पैदा हो सकती हैं। स्वास्थ्य के साथ-साथ बारिश के मौसम में त्वचा संबंधी भी कई परेशानियां सामने आने लगती हैं। दरअसल, इस मौसम में वातावरण में काफी चिपचिपाहट होने लगती है, जिसकी वजह से कई बार फंगल इंफेक्शन जैसी परेशानी का सामना करना पड़ता है। फंगल इंफेक्शन की वजह से सिर पर खुजली काफी बढ़ जाती है। अगर सिर की खुजली को सही वक्त पर रोका न जाए तो ये आपको काफी हद तक परेशान कर सकती है। बार-बार सिर खुजलाने से आपको शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ सकता है। कुछ चीजों का इस्तेमाल करके सिर की खुजली दूर कर सकते हैं।

हंसना मना है

एक लड़की- हे भगवान, मेरी शादी किसी समझदार आदमी से करवा दो, भगवान - घर जाओ बेटी समझदार आदमी कभी शादी नहीं करते!

संता- आज तेरे मोबाइल पे बड़े मैसेज आ रहे है, क्या बात है? बंता- ओ कुछ नहीं यार, अपनी ऐसी किस्मत कहां, आज तो बीवी का मोबाइल लाया हूं!

एक लड़का फेल हुआ तो उसके पापा ने कहा, देख- देख उस लड़की को देख, वो तुम्हारे साथ पढ़ती है और 1st आयी है। लड़का- देख-देख क्या देख, उसी को देख-देख के तो फेल हुआ हूं!

लड़की- अगर मैं मर जाऊं तो तुम क्या करोगे? लड़का- मैं भी मर जाऊंगा, लड़की - पर क्यों? लड़का- कभी-कभी ज्यादा खुशी भी जान ले लेती है!

पिताजी - बेटा, मेरे लिए 1 ग्लास पानी लाना, लड़का - नहीं लाऊंगा, दूसरा लड़का - रहने दो पापा, ये तो है ही बत्तमीज, आप खुद लेलो, और मेरे लिए भी 1 ग्लास ले आना!

एक बुजुर्ग व्यक्ति- बेटा कैसे हो, बच्चा- ठीक हूं, बुजुर्ग- पढ़ाई कैसी चल रही है?, बच्चा - बिलकुल आपकी जिंदगी की तरह.! बुजुर्ग-मतलब? बच्चा- भगवान भरोसे.!

कहानी | एक क्रिया और सात्विक प्रतिक्रिया

किसी गांव में दो साधू रहते थे। वे दिन भर भीख मांगते और मंदिर में पूजा करते थे। एक दिन गांव में आंधी आ गयी और बहुत जोरों की बारिश होने लगी। दोनों साधू गांव की सीमा से लगी एक झोपड़ी में निवास करते थे, शाम को जब दोनों वापस पहुंचे तो देखा कि आंधी-तूफान के कारण उनकी आधी झोपडी टूट गई है। यह देखकर पहला साधू क्रोधित हो उठता है और बुदबुदाने लगता है। भगवान तू मेरे साथ हमेशा ही गलत करता है... मैं दिन भर तेरा नाम लेता हूं, मंदिर में तेरी पूजा करता हूं फिर भी तूने मेरी झोपडी तोड़ दी... गांव में चोर-लुटेरे झूठे लोगों के तो मकानों को कुछ नहीं हुआ, बिचारे हम साधुओं की झोपडी ही तूने तोड़ दी ये तेरा ही काम है। हम तेरा नाम जपते हैं पर तू हमसे प्रेम नहीं करता... तभी दूसरा साधू आता है और झोपड़ी को देखकर खुश हो जाता है... नाचने लगता है और कहता है भगवान् आज विश्वास हो गया तू हमसे कितना प्रेम करता है ये हमारी आधी झोपड़ी तूने ही बचाई होगी... वर्ना इतनी तेज आंधी-तूफान में तो पूरी झोपड़ी ही उड़ जाती ये तेरी ही कृपा है कि अभी भी हमारे पास सर ढंकने को जगह है... निश्चित ही ये मेरी पूजा का फल है, कल से मैं तेरी और पूजा करूंगा, मेरा तुझपर विश्वास अब और भी बढ़ गया है... तेरी जय हो!

कहानी से सीख- एक ही घटना को एक ही जैसे दो लोगों ने कितने अलग-अलग ढंग से देखा.. हमारी सोच हमारा भविष्य तय करती हैं, हमारी दुनिया तभी बदलेगी जब हमारी सोच बदलेगी। यदि हमारी सोच पहले वाले साधू की तरह होगी तो हमें हर चीज में कमी ही नजर आएगी और अगर दूसरे साधु की तरह होगी तो हमें हर चीज में अच्छाई दिखेगी। अतः हमें दूसरे साधू की तरह विकट से विकट परिस्थिति में भी अपनी सोच सकारात्मक बनाये रखनी चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा।

वृषभ धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं।

मिथुन व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वार्थ एवं भोग की प्रवृत्ति से दूर रहें।

कर्क आज धनलाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बाहरी शत्रु से सतर्क रहें। नौकरीपेशा कार्यस्थल पर काम के प्रति लापरवाही न करें, किसी बात पर मतभेद की संभावना है।

सिंह सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी। आर्थिक योजनाओं में धन का निवेश हो सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या मित्रों की मदद से समस्या का समाधान हो सकेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा।

तुला व्यापार में मनोनुकूल लाभ होने के योग हैं। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

वृश्चिक अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है। पारिवारिक समस्याएं सूझबूझ से निपटाएं। कार्य में सहयोग मिलेगा। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। आशानुरूप स्थिति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा।

मकर मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नए अनुबंध हो सकते हैं।

कुम्भ धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे। अनसोचे कामों में हाथ नहीं डालें। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी।

मीन व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें। झंझटों में न पड़ें। आय में कमी होगी।

बॉलीवुड | अपकमिंग

वीर दास होंगे फिल्म बारह नंबर के निर्देशक

कवि शास्त्री के साथ दोबारा जुड़े वीर दास

एक्टर, कॉमेडियन और फिल्ममेकर वीर दास ने अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म बारा नंबर का एलान किया है। इस फिल्म में शीबा चड्ढा, अरुणोदय सिंह, एहसास चन्ना और अतुल कुलकर्णी जैसे कलाकार होंगे। यह साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है। दास ने इस साल की शुरुआत में स्पाई कॉमेडी फिल्म हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था।
बारा नंबर के लिए वीर दास एक बार फिर हैप्पी पटेल के को-डायरेक्टर कवि शास्त्री के साथ काम करेंगे। इस फिल्म से वह क्रिएटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़ेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दास भी फिल्म में बतौर एक्टर काम करेंगे। इसमें निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, सुहैल नय्यर, पूजा स्वरूप और नवीन कौशिक भी शामिल हैं। वीर दास ने बताया इस प्रोजेक्ट की सबसे रोमांचक बात यह है कि इसमें ऐसे कलाकार साथ आए हैं, जिनकी मैं तारीफ करता हूं। शीबा, अतुल, अरुणोदय, श्रिया, एहसास, निहारिका, सुहैल और नवीन, हर कोई फिल्म में एक अलग ऊर्जा और असलियत लेकर आता है। उन्होंने आगे कहा हॉरर फिल्म तब अच्छी लगती है जब दर्शकों को हर पल असली लगे और इस कलाकारों की टीम ने कहानी को उस स्तर से कहीं आगे पहुंचा दिया है, जो मैंने इसे लिखना शुरू करते समय सोचा था। देली बेली, गो गोवा गॉन जैसी फिल्मों और कॉल मी बे जैसी सीरीज में काम करने के लिए मशहूर वीर दास, अपने बैनर जजू प्रोडक्शंस के जरिए बारा नंबर को प्रोड्यूस करेंगे।

हम लोग 20-20 घंटे काम करते थे : करिश्मा

ब्राउन की चर्चा के बीच कहा- कोई पछतावा नहीं

अब करिश्मा वही काम करती हैं जो उन्हें उत्साहित करे। हाल ही में रिलीज हुई 'ब्राउन' में वो एक ऐसे किरदार में नजर आई हैं, जो उनकी अब तक की इमेज से काफी अलग है। करियर की शुरुआत में एक अलग दौर था। उस समय बहुत मेहनत करनी पड़ती थी। एक सेट से दूसरे सेट भागना, लगातार काम करना, वह जिंदगी का दूसरा फेज था। मेरे साथ तो ऐसा भी हुआ है कि मैंने एक दिन में चार-चार शिफ्ट्स की हैं। तीन शिफ्ट्स मुंबई में और एक हैदराबाद में। कई बार रात 9 बजे निकलकर सुबह 5 बजे तक शूटिंग की, फिर वापस मुंबई आकर दूसरी शिफ्ट पकड़ ली और उसके बाद फिर अगली शूटिंग के लिए निकल गई। लेकिन सच कहूं, वह अपने आप में एक खूबसूरत वक्त था। हम लोग 20-20 घंटे काम करते थे, लगातार अपने पैरों पर खड़े रहते थे, लेकिन उसी ने बहुत कुछ सिखाया। आज मेरे पास अपनी शर्तों पर काम करने की आजादी है। मैं बहुत कम काम करती हूं और यह पूरी तरह मेरी पसंद है। मुझे ऐसा नहीं लगता कि मुझे रोज सेट पर जाना है या साल में सौ दिन काम करना ही है। अगर मेरा मन होगा, कोई प्रोजेक्ट मुझे सच में उत्साहित करेगा, तभी मैं उसे करूंगी और अगर मन नहीं होगा, तो मैं नहीं करूंगी। मुझे स्क्रिप्ट पढ़ते ही लगा कि 'ब्राउन' का किरदार बेहद अलग है। मैंने अपने करियर में काफी तरह के रोल किए हैं इसलिए अगर अब कुछ करूं तो वह बिल्कुल अलग होना चाहिए। मेरे लिए भी और ऑडियंस के लिए भी। रीटा ब्राउन एक ऐसी महिला है जो अंदर से टूटी हुई है और उसके ऊपर कोई बनावटी परत नहीं है। यह मेरे लिए खास था। दरअसल, जब अभिनय देव (निर्देशक) ने मुझे पहली बार इस किरदार के बारे में बताया तो मेरा पहला रिएक्शन यही था - ओह, नहीं... पता नहीं मुझे ये करना चाहिए या नहीं। लेकिन जब मैंने पूरी स्क्रिप्ट सुनी, कहानी समझी...स्क्रीनप्ले देखा और यह जाना कि हर किरदार किस तरह एक-दूसरे से जुड़ता है, तब मुझे लगा कि मुझे यह जरूर करना चाहिए। वैसे भी मैं बहुत ज्यादा काम नहीं करती हूं। यह बात सब जानते हैं। इसलिए जब यह रोल मेरे पास आया, तो मुझे लगा कि इसके लिए मुझे आगे बढ़ना चाहिए। मैंने इस पूरे प्रोसेस को बहुत एंजॉय किया - कॉन्सेप्ट से लेकर वर्कशॉप्स तक। अभिनय के साथ हुई डिटेल्ड डिस्कशंस ने भी मुझे किरदार को समझने में काफी मदद की।

हाशमी की फिल्म के सेट पर हंगामा

लोगों को रेस्टोरेंट पर कैफे एंड बार का साइन बोर्ड नहीं आया पसंद

इमरान हाशमी अपने नए प्रोजेक्ट के सिलसिले में उत्तराखंड के हरिद्वार में हैं। बताया जाता है कि वह वहां एक फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म के सेट पर हंगामा हो गया। सेट पर एक नकली रेस्टोरेंट बनाया गया, जिस पर कैफे एंड बार लिखा हुआ साइन बोर्ड लगा था। यह बात वहां के लोगों को पसंद नहीं आई और उनका फिल्म की टीम से विवाद हो गया। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि स्थानीय लोग साइन बोर्ड पर बार लिखे होने से खुश नहीं हैं। उन्हें लगता है कि इससे हरिद्वार जैसी पवित्र जगह का अपमान होता है। वीडियो में इमरान तो नहीं दिख रहे हैं, लेकिन सिक्योरिटी गार्ड्स और फिल्म की टीम का एक व्यक्ति लोगों को शांत करने की कोशिश करता हुआ दिख रहा है। इमरान हाशमी ने सेट पर हुए हंगामे के बारे में कोई बयान नहीं दिया है। उत्तराखंड में इमरान के फैंस से मिलने के वीडियो सोशल मीडिया पर आए हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि एक्टर किसी प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए वहां हैं। हालांकि, प्रोजेक्ट और टीम के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिली है। इमरान हाशमी के पास अभी दो फिल्में हैं। एक आवारापन 2 और दूसरी जी2 (तेलुगु फिल्म)। कुछ दिन पहले आवारापन 2 के मेकर्स ने घोषणा की थी कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। ऐसे में फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि इमरान हाशमी उत्तराखंड में फिल्म जी2 की शूटिंग कर रहे हैं।

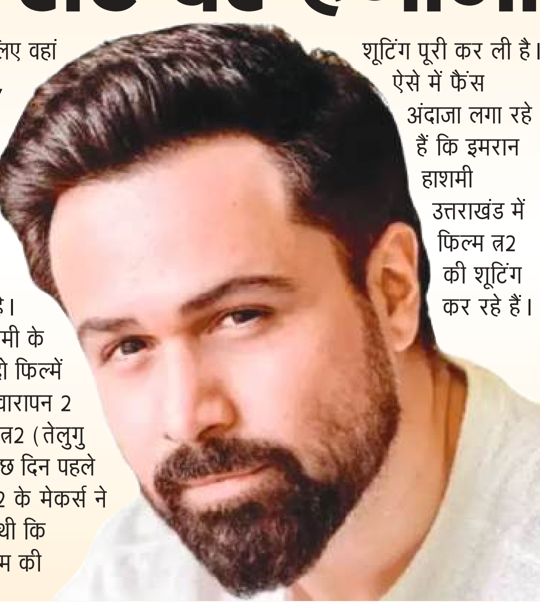

16 साल की उम्र में बनी करोड़पति, 36 की होते-होते हुई पाई-पाई की मोहताज

आपने अक्सर सुना होगा कि किस्मत के आगे कुछ नहीं चलता। कभी-कभी कुछ लोगों के पास सब कुछ होता है, लेकिन उनकी किस्मत उन्हें गरीब बना देती है। हाल ही में एक घटनाक्रम सामने आया है, जिसमें किस्मत ने साथ दिया। 18 की उम्र में 18 करोड़ की मालकिन बन गई तो 20 साल बाद अब हालत यह है कि वह पाई-पाई की मोहताज है। ऐसी स्थिति क्यों आई, इसकी वजह उसकी अपनी गंदी आदत को बताया जा रहा है। 36 साल की कैली रोजर्स नामक यह महिला स्कॉटलैंड की रहने वाली है। वहां की एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साल 2003 में कैली ने पहली बार लॉटरी जीती थी। महज 16 साल की छोटी सी उम्र में उनके बैंक खाते में 18 करोड़ रुपए जमा हो गए तो बाली उम्र में उसकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया। असल में उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह इन पैसों का प्रबंधन कैसे करे। नतीजा ये हुआ कि कैली ने न तो उस पैसे का कहीं निवेश किया और न ही कोई नेक काम किया, बल्कि सारा पैसा फालतू की पार्टियों में उड़ा दिया। एक और बड़ी बात यह भी है कि उसने न सिर्फ एक बड़ी धनराशि को उड़ा दिया, बल्कि कर्जवान भी हो गई। बताया जा रहा है कि पार्टियों में यारों-दोस्तों ने उसे नशा करने के लिए मजबूर किया और नशे की लत ने उसे इस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया। अब सब लोग उससे किनारा कर चुके हैं। 2021 तक पूरी तरह से दिवालिया हो गई। हालांकि अपना और परिवार का पेट पालने के लिए तीन बच्चों की मां कैली अब एक केयर सेंटर में काम करती है। उसके बेटे को सेरेब्रल पाल्सी नाम की बीमारी है, लेकिन उसके पास इलाज करवाने के पैसे नहीं हैं। अब उसे पछतावा हो रहा है कि काश! उसने उस वक्त इतना धन ऐसे ही नहीं उड़ा दिया होता।

अजब-गजब | प्लास्टिक कूड़ा लाने पर ये रेस्टोरेंट

मुफ्त में देता है पेट भर खाना!

क्या आपको भूख लगी है? आप पेट भर खाना खाना चाहते हैं? अगर हां, तो इसके लिए पैसे देने की जरूरत नहीं है और आप अच्छे खासे रेस्टोरेंट में खाना खा सकते हैं। जी हां, जानकर हैरानी हो रही होगी लेकिन हम जिस रेस्टोरेंट की बात कर रहे हैं वो मुफ्त में खाना देता है बस इसके लिए आपके पास प्लास्टिक का कूड़ा होना चाहिए। हैरान होने की जरूरत नहीं है ऐसा एक रेस्टोरेंट भारत में है जहां लोगों को प्लास्टिक की बोतल देने पर खाने के लिए खाना दिया जाता है। ये अजब-गजब आइडिया वाला कैफे भारत के छत्तीसगढ़ में है, जिसे गार्बेज कैफे के नाम से जाना जाता है। छत्तीसगढ़ में अंबिकापुर शहर में स्थित गार्बेज कैफे लोगों को मुफ्त में खाना देता है। हालांकि, इसके लिए प्लास्टिक का कचरा देना होगा जिसके बाद नाश्ता और खाना मिलता है। प्लास्टिक कचरा देकर खाना खिलाने की वजह सफाई अभियान से जुड़ी हुई है। नगर निगम ने इस पहल को सफाई करने के लिहाज से शुरू किया है। शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए अंबिकापुर में ये कैफे है। छत्तीसगढ़ में सफाई के मामले में इंदौर और अंबिकापुर शहर का नाम सबसे पहले आता है। गार्बेज कैफे में आधा किलो प्लास्टिक देने पर नाश्ता करवाया जाता है। नाश्ते में आलू चाप, इडली, समोसा, ब्रेड चाप आदि मिलता है। जबकि, 1 किलोग्राम प्लास्टिक देने पर लंच करवाया जाता है। लंच में 4 रोटी, 2 सब्जी, दाल, हाफ प्लेट चावल, सलाद, दही, अचार, पापड़ आदि खाने के लिए दिया जाता है। इसके अलावा यहां कम कीमत में भी खाना खाया जा सकता है। प्लेन थाली की कीमत 40 रुपये है। इसमें सादी सब्जी, चावल, दाल, अचार और सलाद मिलता है। एक प्लेन थाली की कीमत 50 रुपये है जिसमें दो सादी सब्जी, 4 रोटी, दाल, चावल, सलाद, पापड़ और अचार होता है। एक थाली की कीमत 70 रुपये है, जिसमें पनीर की सब्जी होती है। इसके अलावा दो सब्जी और होती है। बाकी चावल, दाल, अचार और सलाद होता है। एक स्पेशल थाली है जिसकी कीमत 100 रुपये है। इसमें पनीर की सब्जी दो तरह की होती है। एक सादी सब्जी होती है। इसके अलावा घी लगी 4 रोटी, हाफ जीरा राइस, फ्राई दाल, मीठी दही, पापड़, अचार और सलाद मिलता है।

कानपुर में मानकों की अनदेखी पर उठे सवाल

» क्या नक्शे के विपरीत बने हैं शॉपर्स स्टॉप, रिलायंस डिजिटल, जूडियो और रिलायंस ट्रेंड की इमारतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश भर में व्यावसायिक भवनों, मॉल और कॉम्प्लेक्सों की सुरक्षा व्यवस्था तथा भवन मानकों की जांच के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) के जोन-1ए क्षेत्र में स्थित कुछ बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। विभागीय विश्वस्त सूत्रों कि मानें तो जोन-1ए में जीटी रोड पर स्थित शॉपर्स स्टॉप, रिलायंस डिजिटल, जूडियो और रिलायंस ट्रेंड का निर्माण स्वीकृत नक्शे और निर्धारित भवन मानकों के विपरीत किया गया है।

आरोप है कि जिस भूखंड पर जितना व्यावसायिक निर्माण स्वीकृत है, उससे कहीं अधिक क्षेत्र में निर्माण किया गया है। लोगों का ये भी कहना है कि यदि किसी भवन में स्वीकृत क्षमता से अधिक निर्माण किया गया है तो यह न केवल विकास प्राधिकरण के नियमों का उल्लंघन है, बल्कि आग जैसी आपात स्थिति में गंभीर खतरा भी उत्पन्न कर सकता है। दिल्ली अग्निकांड जैसे हादसों ने यह साबित किया है कि भवन निर्माण मानकों की अनदेखी कभी भी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती है। आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि केडीए के अधिकारी केवल नोटिस जारी कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेते हैं, जबकि अवैध अथवा मानक-विरुद्ध निर्माणों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। सवाल उठ रहा है कि क्या प्रभावशाली व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के मामले में नियमों को लेकर दोहरा रवैया अपनाया जा रहा है?

नोटिस जारी करने तक ही रहेगी केडीए की कार्यवाही

शहर में चर्चा का विषय है कि क्या केडीए के जिम्मेदार अधिकारी बड़े व्यावसायिक निर्माणों के विरुद्ध कार्रवाई की हिम्मत कर पाएंगे? यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के बाद भी प्राधिकरण केवल नोटिस जारी करने तक सीमित रहता है या फिर भवन मानकों के उल्लंघन के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक कार्रवाई करता है। जबकि विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अंकुर कौशिक और सचिव अभय पाण्डेय की तरफ से मानक विहीन निर्माण जो मानको की अनदेखी और नक्शे के विपरीत हुए हैं जिनकी वजह से भविष्य में समस्या उत्पन्न हो सकती है उन पर प्रभावी कार्रवाई की जाए।

कानपुर विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि वास्तव में निर्माण स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप नहीं है तो अब तक कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई? क्या संबंधित भवनों के नक्शे और वास्तविक निर्माण का कभी भौतिक सत्यापन किया गया..? यदि किया गया तो उसकी रिपोर्ट क्या कहती है?जोन-1ए के

प्रवर्तन प्रभारी अधिकारी अतुल के समक्ष भी अब यह बड़ी चुनौती है कि वह इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कराते हुए यह स्पष्ट करें कि शॉपर्स स्टॉप, रिलायंस डिजिटल, जूडियो और रिलायंस ट्रेंड का निर्माण स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप है या नहीं। यदि कहीं अनियमितता पाई जाती है तो क्या विकास प्राधिकरण ध्वस्तीकरण अथवा अन्य वैधानिक कार्रवाई करने का साहस दिखाएगा?

मुश्किल में साथ छोड़ने वाले चूहे नहीं हम : कीर्ति आजाद

» टीएमसी सांसद का ममता बनर्जी का दृढ़ता से समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टीएमसी सांसद कीर्ति आज़ाद ने ममता बनर्जी का जोरदार समर्थन किया और कहा कि वह उन चूहों की तरह नहीं हैं जो मुश्किल समय में भाग जाते हैं। कीर्ति आजाद ने बताया कि उन पर कई लोग दबाव डाल रहे हैं, लेकिन वह ऐसे इंसान हैं जो मुश्किल समय में एक-दूसरे का साथ देते हैं। ममता दीदी ने उनके लिए बहुत कुछ किया है और वह इस मुश्किल घड़ी में उन्हें धोखा नहीं दे सकते। उन्होंने मेरी सुरक्षा भी हटा दी है। खैर, अगर उन्होंने सुरक्षा हटा दी है, तो ठीक है, हम लड़ेंगे। आज़ाद ने कहा कि हम साथ खड़े हैं।

हम ऐसे लोग हैं जो मुश्किल समय में एक-दूसरे का साथ देते हैं। दीदी ने हमारे लिए बहुत कुछ किया है; हम उन्हें धोखा नहीं दे सकते। ये लोग 30 या 40 साल तक रहे, 30 या 40 बार सांसद बने, यह उनकी गलत सोच है; मुझे यह बात समझ नहीं आती। कांग्रेस और टीएमसी के विलय की खबरों पर कीर्ति आज़ाद ने कहा कि कोई विलय नहीं होगा, ये सब गलत खबरें हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव गठबंधन के तौर पर लड़ा जाएगा और गठबंधन बना रहेगा।

कुछ लोग मजबूरी, डर या लालच की वजह से ममता का साथ छोड़ सकते हैं : शत्रुघ्न सिन्हा

इससे पहले शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि वह मुश्किल समय में टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी का साथ नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जब वह अपने राजनीतिक करियर के मुश्किल दौर से गुज़र रहे थे, तब ममता बनर्जी उनके साथ खड़ी थीं। शत्रुघ्न सिन्हा का कहना है कि कुछ लोग मजबूरी में ममता बनर्जी का साथ छोड़ सकते हैं। बंगाल के आसनसोल से तृणमूल कांग्रेस सांसद ने कहा कि कुछ लोग मजबूरी, डर या लालच की वजह से ममता बनर्जी का साथ छोड़ सकते हैं, लेकिन उनका उसूलों पर आधारित रुख यह है कि वह न तो पार्टी का साथ छोड़ेंगे और न ही उसकी नेता का।

सीएम आवास के पास सरकारी जमीन पर कब्जा

» अवैध डेयरी और कबाड़ कारोबार पर उठे सवाल

» प्रशासन बेखबर, कब्जेदार मौज में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री आवास से चंद कदमों की दूरी पर स्थित पिपराघाट जी-20 वीआईपी रोड पुल के नीचे सरकारी जमीन पर कथित अवैध कब्जे और कारोबार का मामला एक बार फिर चर्चा में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वर्षों से सरकारी भूमि पर कब्जा कर डेयरी संचालन के साथ-साथ कूड़ा और कबाड़ का कारोबार बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि संबंधित भूमि लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के अधिकार क्षेत्र में आती है, लेकिन इसके बावजूद वर्षों से अवैध गतिविधियां जारी हैं।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई टन कबाड़ जमा कर रखा गया है तथा पशुपालन के नाम पर सरकारी जमीन का उपयोग निजी व्यापार के लिए किया जा रहा है। इतना ही नहीं, कुछ लोगों को किराए पर स्थान देकर कूड़ा और कबाड़ के कारोबार को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब मुख्यमंत्री आवास के आसपास की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था इतनी सख्त मानी जाती है, तब सरकारी जमीन पर वर्षों से चल रहे कथित अवैध कब्जे और कारोबार पर संबंधित विभागों की नजर क्यों नहीं पड़ रही है? क्या नगर निगम और लखनऊ विकास प्राधिकरण ऐसे कब्जाधारियों के खिलाफ स्थायी कार्रवाई करेंगे या फिर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का यह खेल यूं ही चलता रहेगाअब निगाहें नगर निगम और एलडीए की कार्रवाई पर टिकी हैं।

इस मामले को लेकर 4पीएम में खबरें पहले भी प्रकाशित हुई हैं

इससे पहले भी इस मामले को लेकर 4पीएम में खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं। उस दौरान नगर निगम जोन-4 के तत्कालीन जोनल अधिकारी संजय यादव और पशु कल्याण अधिकारी अभिनव वर्मा ने कार्रवाई करते हुए अवैध डेयरी और कब्जे को हटाने की पहल की थी। हालांकि स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्रवाई के कुछ ही दिनों बाद फिर से अवैध डेयरी और कबाड़ का कारोबार शुरू हो गया।

लखनऊ एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान में बम की फर्जी धमकी

» 180 यात्रियों की अटकी रहीं सांसें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ़्लाइट में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब उड़ान भरने से ठीक पहले विमान के शौचालय में बम लिखा हुआ एक टिश्यू पेपर मिला।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत करीब 180 यात्रियों वाली इस फ़्लाइट को तुरंत एप्रन पर ही रोक दिया गया। सुरक्षा कर्मियों द्वारा विमान की सघन तलाशी ली गई, जिसमें कोई भी संदिग्ध या हानिकारक वस्तु नहीं मिली। जांच के बाद इस खतरे को पूरी तरह होक्स (झूठा) करार दिया गया। आवश्यक सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते विमान को उड़ान में देरी हुई।

बारिश बनी विलेन, अफगान ने भारत ए को चार रनों से हराया

» डीएलएस से निकला नतीजा, भारत ने 350 रनों का दिया था लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दांबुला। भारत ए और अफगानिस्तान ए के बीच खेले गए त्रिकोणीय सीरीज के मुकाबले में बारिश ने बड़ा खेल कर दिया। रणगिरी दांबुला अंतराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान ने डीएलएस के माध्यम से चार रनों से जीत दर्ज की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 49 ओवरों में नौ विकेट पर 349 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान ए को संशोधित लक्ष्य के अनुसार 38 ओवरों में 294 रन बनाने थे। हालांकि, 25.5 ओवर का खेल हो पाया था कि बारिश ने फिर दस्तक दी। वहीं, अफगानिस्तान डीएलएस के आधार से तीन रन आगे चल रही थी, जिसके बाद उसे विजेता घोषित कर दिया गया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान ए की शुरुआत अच्छी हुई। 25.5 ओवर में दो विकेट पर 177 रन बनाए। बारिश के कारण मैच रोकना पड़ा। इससे पहले बारिश के कारण ओवर में कटौती हुई और मैच 49-49 ओवर कराने का फैसला किया गया। लेकिन भारत ए की पारी के खत्म होने के बाद बारिश ने मैच में भी खलला डाला जिसके बाद ओवर में दोबारा कटौती की गई। भारत ए को वैभव और प्रभसिमरन ने दमदार शुरुआत दिलाई। वैभव 22 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 44 रन बनाकर आउट हुए। दो झटके लगने के बाद ऋतुराज और प्रभसिमरन ने तीसरे विकेट के लिए 79 रनों की साझेदारी की जिससे टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंच गया। गायकवाड़ ने तिलक वर्मा के साथ साझेदारी कर स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया।

द्रविड़ के बेटे अन्वय को भारत अंडर-19 टीम में मिला मौका

नई दिल्ली। बीसीसीआई की जूनियर क्रिकेट समिति ने गुरुवार को श्रीलंका दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीमों की घोषणा कर दी। इस दौरे पर भारतीय टीम तीन एकदिवसीय और दो बहु-दिवसीय मैच खेलेगी। दौरे की शुरुआत चार जुलाई से होगी। इस टीम चयन की सबसे बड़ी चर्चा राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ को लेकर रही, जिन्हें वनडे टीम में जगह मिली है। अन्वय टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में शामिल किए गए हैं। बीसीसीआई ने दोनों प्रारूपों की टीमों की कमान यशबर्धन सिंह चौहान को सौंपी है, जबकि लक्ष्य रायचंदानी को उपकप्तान बनाया गया है। 17 वर्षीय अन्वय द्रविड़ ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने कर्नाटक अंडर-19 टीम की कप्तानी करते हुए टीम को वीनू मांकड़ ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचाया था। इस टूर्नामेंट में उन्होंने छह मैचों में 220 रन बनाए, जिसमें नाबाद 82 रन की पारी भी शामिल रही। अन्वय भारत अंडर-19 बी टीम के लिए बेंगलुरु में आयोजित त्रिकोणीय श्रृंखला में भी खेल चुके हैं, जिसमें भारत ए और अफगानिस्तान अंडर-19 टीमों ने हिस्सा लिया था।

पूछा सवाल तो जवाब में पत्रकार को मिली धमकी

उन्नाव के पुरवा विधानसभा में पत्रकार बनाम विधायक विवाद ने खड़े किए बड़े सवाल, आखिर जनप्रतिनिधि जवाबदेही से क्यों घबराते हैं?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकतंत्र में नेता जनता के बीच जाकर बड़े-बड़े वादे करते हैं। मंचों से विकास की गंगा बहाने के दावे किए जाते हैं। चुनावी सभाओं में सपनों के पुल बांधे जाते हैं। जनता भरोसा करती है वोट देती है नेता विधायक बनता है विधायक मंत्री बनने का सपना देखता है और सत्ता की सीढ़ियां चढ़ता चला जाता है। लेकिन असली परीक्षा तब शुरू होती है जब कोई पत्रकार इन वादों का हिसाब मांगता है।

जब कोई सवाल करता है कि पांच साल में क्षेत्र को क्या मिला? कितनी सड़कें बनीं? कितने अस्पताल खुले? कितने युवाओं को रोजगार मिला? तब विधायक जी के चेहरे का रंग बदल जाता है और वह अनाप शनाप बोलने लगते हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले की पुरवा विधानसभा से सामने आया विवाद भी कुछ ऐसे ही सवाल खड़े कर रहा है। आरोप है कि क्षेत्र के विधायक अनिल सिंह एक पत्रकार के सवालों से इतने असहज हो गए कि मामला सार्वजनिक नाराजगी और कथित धमकी तक पहुंच गया। यदि आरोप सही हैं तो यह सिर्फ एक विधायक और एक पत्रकार के बीच का टकराव नहीं है। यह लोकतंत्र की उस बुनियाद सवाल है जिसके सहारे जनता अपने प्रतिनिधियों से जवाब मांगती है। मामले के केंद्र में हैं जिले के वरिष्ठ पत्रकार रंजन बाजपेई। उनका आरोप है कि क्षेत्र की समस्याओं और राजनीतिक हालात को लेकर किए गए एक कार्यक्रम के बाद विधायक अनिल सिंह उनसे नाराज हो गए। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में विपक्षी नेता से क्षेत्र की बदहाल सड़कों, अधूरे विकास कार्यों, स्थानीय समस्याओं और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सवाल पूछे गए थे। इंटरव्यू प्रसारित होने के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हुई और इसके बाद विवाद ने नया मोड़ ले लिया। रंजन बाजपेई का कहना है कि अब यह व्यक्तिगत विवाद नहीं रह गया है। उनके मुताबिक यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पत्रकारिता की आजादी और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रश्न बन चुका है। उनका तर्क है कि यदि पत्रकार विपक्षी नेता से सवाल पूछे या उसकी बात जनता तक पहुंचाए और इसके लिए उसे निशाना बनाया जाए तो फिर लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका का क्या अर्थ रह जाएगा? वहीं जिलाअध्यक्ष से बात की तो उन्होंने कहा कि वह कही बैठे हैं मीटिंग में बात में बात करेंगे।

जवाबदेही पर आधारित है पूरा ढांचा

दरअसल लोकतंत्र का पूरा ढांचा ही जवाबदेही पर टिका हुआ है। जनता प्रतिनिधि चुनती है और बदले में उनसे जवाब चाहती है। पत्रकार इसी जवाबदेही की कड़ी होता है। उसका काम सत्ता पक्ष की तारीफ करना नहीं बल्कि सवाल पूछना है। वह सरकार से भी सवाल करता है और विपक्ष से भी। यदि पत्रकार केवल सत्ता की बात दिखाए और विपक्ष की आवाज दबा दी जाए, तो लोकतंत्र एकतरफा संवाद बनकर रह जाएगा। इसी वजह से पुरवा का यह विवाद स्थानीय सीमाओं से बाहर निकलकर व्यापक बहस का विषय बन गया है। क्षेत्र में चर्चा है कि आखिर एक जनप्रतिनिधि विपक्षी नेता के इंटरव्यू से इतना असहज क्यों हो सकता है? यदि विकास कार्य हुए हैं तो सवालों का जवाब तथ्यों के साथ दिया जा सकता है। यदि दावे सही हैं तो आलोचना का जवाब उपलब्धियों से दिया जा सकता है। लेकिन यदि सवाल पूछने वालों को ही कटघरे में खड़ा किया जाने लगे तो यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं मानी जा सकती।

दल-बदल पर टिका है एमएलए अनिल सिंह का राजनीतिक कैरियर

अनिल सिंह का राजनीतिक सफर भी चर्चा का विषय रहा है। वर्ष 2017 में उन्होंने बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा में प्रवेश किया था। उस समय उन्होंने खुद को जनता के बीच रहने वाले सरल नेता के रूप में प्रस्तुत किया था। बाद में 22 के विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा ने उन्हें टिकट दिया और वे दोबारा विधायक बनने में सफल रहे। यह जीत उनके राजनीतिक कद को और मजबूत करने वाली साबित हुई। हालांकि विपक्ष का आरोप है कि सत्ता और प्रभाव बढ़ने के साथ उनकी राजनीतिक शैली भी बदल गई। विरोधियों का दावा है कि अब आलोचना को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा मानने के बजाय उसे व्यक्तिगत चुनौती समझा जाने लगा है। यही कारण है कि पत्रकारों को लेकर भी असहजता सामने आ रही है।

मारे गए भारतीयों को लेकर अमेरिका पर भड़का ईरान

» **ट्रंप को लिया आड़े हाथों, बोला- इंडिया के साथ गहरी संवेदनाएं**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता और पब्लिक डिप्लोमेसी सेंटर के प्रमुख इस्माइल बक़ाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में भारतीय नाविकों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि ईरान मारे गए भारतीय नाविकों के परिवारों और उनके दोस्तों के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट करता है और भारत की जनता और भारत सरकार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता है।

इस्माइल बक़ाई ने बयान में अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि ये हमले अमेरिका की कथित हथियारबंद लूट और सरकारी समुद्री डकैती की जारी नीति का स्पष्ट उदाहरण हैं. उनके अनुसार, इस तरह की कार्रवाइयां अंतरराष्ट्रीय कानून और समुद्री सुरक्षा के सिद्धांतों के खिलाफ हैं. इस्माइल बक़ाई ने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अमेरिका के कथित गैर–कानूनी व्यवहार के लिए उसे जवाबदेह ठहराना चाहिए. उनका कहना है कि ऐसी गतिविधियां ग्लोबल शांति और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती हैं और समुद्री मार्गों पर सुरक्षित और स्वतंत्र आवाजाही को भी प्रभावित करती हैं।

ओमान के तट के पास जिस कॉर्मशियल पोत पर अमेरिकी हमले का दावा किया गया, उसमें कुल 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे। जहाज पर मौजूद 21 भारतीयों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि तीन भारतीय लापता बताए गए थे। बाद में लापता लोगों में से दो के शव बरामद कर लिए गए. अभी तक लापता चीफ इंजीनियर पटानाला सुरेश का कोई पता नहीं चल पाया है। रिपोर्ट के अनुसार, उनके जीवित मिलने की उम्मीद अब बहुत कम बताई जा रही है.इस घटना के बाद भारत सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है.विदेश मंत्रालय, भारत ने इस हमले की निंदा करते हुए नई दिल्ली में अमेरिकी राजनयिक को एक औपचारिक विरोध पत्र भेजा है।

पीएम मोदी के पास उत्सवों का समय है, निंदा का नहीं : ओवैसी

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के

नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के पास समारोहों में शामिल होने के लिए तो समय है, लेकिन अमेरिकी हमले में मारे गए भारतीयों की मौत की निंदा करने का समय नहीं है। ओवैसी ने दावा किया कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में काम करने वाले भारतीय नागरिकों और नाविकों की जान की रक्षा करने में बार-बार विफल साबित हो रही है। ओवैसी ने दावा किया कि केंद्र सरकार भारतीय नाविकों और अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में काम करने वालों की जान की रक्षा करने में बार-बार ''विफल'' रही है। ओवैसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारतीयों की जान बचाना सरकार का पहला कर्तव्य है। यह दुखद और व्यथित करने वाला है कि प्रधानमंत्री के पास समारोहों के लिए समय है लेकिन भारतीयों की जान लेने के लिए अमेरिकी सेना की निंदा करने का समय नहीं है।'' उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत के इतिहास में कभी इससे कमजोर सरकार रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अब भी भारतीयों को सैनिकों के रूप में भर्ती कर रहा है ''जो मारे जा रहे हैं'' लेकिन सरकार असहाय है।

पांच मंजिला इमारत में भीषण आग, तीन लोगों की दर्दनाक मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण–पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके से एक बेहद दुखद घटना सामने आई है, जहाँ शुक्रवार तड़के एक पांच मंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गोविंदपुरी थाने को तड़के करीब रात 2:24 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। यह हादसा तुगलकाबाद एक्सटेंशन स्थित एक रिहायशी इमारत में हुआ। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण–पूर्वी) हेमंत तिवारी ने बताया, इमारत में घना धुआं भर जाने के कारण कई निवासी अंदर फंस गए थे जिसके बाद समन्वित बचाव अभियान चलाया गया। इमारत से आठ लोगों को सुरक्षित निकालकर उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल और एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया।

मीनाक्षी नटराजन को सुप्रीम झटका

» **शीर्ष कोर्ट ने कहा- नामांकन खारिज होने के बाद यह मामला सुना तो नई परंपरा शुरू होगी**

» **चुनाव परिणाम आने के बाद असंतुष्ट उम्मीदवार हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन रद्द होने को उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि अगर उनकी याचिका सुनी जाती है तो यह अनुच्छेद 329 के परे होगा। इससे एक नई परंपरा शुरू होगी कि नामांकन खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट भी सुनवाई कर सकता है।

संविधान के अनुच्छेद 329 में यह व्यवस्था है कि चुनावी मामलों में कोर्ट अंतरिम चरण में हस्तक्षेप नहीं करता। इसी अनुच्छेद में यह भी कहा गया है कि चुनाव

परिणाम आने के बाद असंतुष्ट उम्मीदवार हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सकता है। संविधान में इकलौती व्यवस्था दी गई है कि हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दाखिल की जाए। मीनाक्षी नजराजन ने बुधवार (10 जून, 26) को देर रात याचिका दाखिल करके नामांकन रद्द किए जाने को चुनौती दी थी, जिस पर गुरुवार को सुनवाई हुई. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने याचिका के विचार योग्य होने पर सवाल उठाए, लेकिन मीनाक्षी नटराजन की अपील पर शुक्रवार को सुनवाई के लिए कोर्ट तैयार हो गया. उन्होंने मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए जाने पर रोक लगाने का भी अनुरोध किया था, लेकिन कोर्ट ने यह अपील स्वीकार नहीं की।

कर्नाटक में कांग्रेस 4 में से 3 सीटों पर जीती

» **राज्यसभा चुनाव में मल्लिकार्जुन खरगे, पवन खेड़ा और मंसूर अली खान समेत चार उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक से राज्यसभा की चार सीटों के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एक बार फिर राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। उनके साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा और मंसूर अली खान भी राज्यसभा पहुंचे हैं। सभी चार उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

कर्नाटक की चार राज्यसभा सीटों पर चुनाव की घोषणा की गई थी क्योंकि मौजूदा सांसदों का कार्यकाल 25 जून को समाप्त हो रहा है. इनमें भाजपा के इरन्ना कडाडी और नारायण कोरगप्पा, कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे और जेडी(एस) के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा शामिल हैं। शुरुआत में इन चार सीटों के लिए कुल पांच उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था. चुनाव 18 जून को होना था और कर्नाटक विधानसभा के सदस्य विधान सौधा में मतदान करने वाले थे. लेकिन नामांकन पत्रों की जांच के दौरान एक निर्दलीय उम्मीदवार का नामांकन खारिज कर दिया गया. अधिकारियों के अनुसार गुरुवार को नाम वापसी की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद केवल चार उम्मीदवार ही मैदान में बचे. इसके बाद सभी चारों उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

मध्य प्रदेश में भाजपा ने जीतीं तीनों राज्यसभा सीटें

वहीं मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा की तीनों सीटें निर्विरोध जीत ली हैं. गुरुवार को नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद भाजपा उम्मीदवार रजनीश अग्रवाल, तरुण चुघ और महेश केवट को विजयी घोषित कर दिया गया. निर्वाचन अधिकारी अरविंद शर्मा ने तीनों भाजपा उम्मीदवारों को चुनाव प्रमाण पत्र सौंपे. चूंकि मैदान में कोई अन्य उम्मीदवार नहीं बचा था, इसलिए तीनों उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**